SNEH TEACHERS TRAINING COLLEGE, JAIPUR
"Foster Emotional Intelligence in Youth Through Education" (ICFEIYE-2024)
DATE: 15 April 2024
International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)
Multidisciplinary, Indexed, Double-Blind, Open Access, Peer-Reviewed, Refereed-International Journal, Impact factor (SJIF) = 7.938

# The Role of Emotional Intelligence in Adequate Leadership

Mr. Ravi Kumar Sharma, Administrator, Sneh Teacher's Training College, Muhana, Sanganer, Jaipur. Email Id : - MR.RAVISHARMA1990@GMAIL.COM

## सारांश

भावनात्मक बुद्धिमत्ता हमें एक नेता अथवा प्रबंधक के रूप में पारस्परिक संबंधों को विवेकपूर्ण और सहानुभूतिपूर्वक संभालने में सक्षम बनाती हैं। नेतृत्व प्रभावषाली बनाने के लिए आवष्यक है कि नेता अपने कर्मचारियों के साथ भावनात्मक रूप से जुड़े। भावनात्मक बुद्धिमत्ता के साथ नेतृत्व करने की क्षमता विकसित करके एक प्रभावषाली नेता की भूमिका निभाई जा सकती है। क्योंकि इसके माध्यम से आप अपने कर्मचारियों के भीतर से उनके सर्वश्रेष्ठ को बाहर निकाल सकते है, उनके साथ सहानुभूतिपूर्ण रहकर तथा उनको सराहना का एहसास करवाकर आप एक मजबूत संचारक अथवा प्रबंधक बन सकते हैं।

किसी भी संस्था अथवा संगठन को चुनौतीपूर्ण समय में अथवा भविष्य के लिए मजूबत एवं सुसज्जित बनाना है तो इसमें सबसे बड़ी भूमिका कर्मचारियों की प्रतिबद्धता की होती है। यदि वे अपने कार्य के प्रति प्रतिबद्ध होते है तो वे अधिक उत्पादक होते है तथा संस्था की लाभप्रदता पर सकरात्मक प्रभाव डालते है। अतः एक कुषल एवं प्रभावषाली प्रबंधक होने के नाते अपने कर्मचारियों के प्रति सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार, समय–समय पर प्रेरित करना, सहकर्मियों के साथ बातचीत, संघर्ष और रिष्ते में संतुलन, उपलब्धि एवं असफलता, प्रयास और थकान, परिवर्तन और अनिष्चितता आदि में एक संतुलन बनाकर चलना होगा क्योंकि प्रत्येक कार्य स्थिति में उनकी भावनाएँ अंतर्निहित हो सकती है। इस दिषा में संवेगात्मक बुद्धि महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

**मुख्य शब्द – संवेगात्मक बुद्धि, नेतृत्व, प्रबंधक**

**पृष्ठभूमिः–**

संवेगात्मक बुद्धि को एक ऐसी क्षमता के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जिससे चार विभिन्न रूपों में संवेगों को सही दिषा देने में मदद मिले जैसे संवेग विषेष को पहचानना, उसका अपनी विचार प्रक्रिया में समन्वय करना, उसे समझना तथा उसका प्रबन्ध करना।

भावत्मक बुद्धिमत्ता हमें एक नेता अथवा प्रबंधक के रूप में पारस्परिक संबंधों को विवेकपूर्ण और सहानुभूति पूर्वक संभालने में सक्षम बनाती है। नेतृत्व प्रभावषील बनाने के लिए आवष्यक है कि नेता अथवा प्रबंधक अपने कर्मचारियों के साथ भावनात्मक रूप से जुड़ें। भावनात्मक बुद्धिमत्ता के साथ नेतृत्व की क्षमता विकसित करके एक प्रभावषाली नेता या प्रबंधक की भूमिका निभाई जा सकती है। क्योंकि इसके माध्यम से आप अपने कर्मचारियों के भीतर से उनके सर्वश्रेष्ठ को बाहर निकाल सकते हैं, उनके साथ सहानुभूतिपूर्ण रहकर तथा उनको सराहना का एहसास करवाकर आप एक मजबूत संचारक बन सकते है।

**नेतृत्व :–**

नेतृत्व का अर्थ है लक्ष्य निर्धारित करना और प्राप्त करना, प्रतिस्पर्धा से निपटना और समस्याओं को निर्णायक और शीघ्रता से हल करना। नेतृत्व एक प्रक्रिया है जिसमें कोई व्यक्ति सामाजिक प्रभाव के द्वारा अन्य लोगों की सहायता लेते हुए एक सर्वनिष्ट कार्य को सिद्ध करता है। एलन कीय गेनेंटेक ने कहा है कि ''नेतृत्व वह है जो अंततः लोगों के लिए एक ऐसा मार्ग बनाये जिसमें लोग अपना योगदान दे कर कुछ असाधारण कर सके।''

शासन करना, निर्णय लेना, निर्देषन करना तथा आज्ञा देना आदि सब एक कला है, एक कठिन तकनीक है। परन्तु अन्य कलाओं की तरह यह भी एक नैसर्गिक गुण है। प्रत्येक व्यक्ति में यह गुण या कला समान नही होती है। जैसा प्रबंधक का व्यवहार होता है, जैसे उसके आदर्ष होते है, कर्मचारी भी वैसा ही व्यवहार निर्धारित करते है। यदि प्रबंधक का नेतृत्व एवं व्यवहार सवेंगात्मक बुद्धि का प्रयोग करते हुए होता है तो वह अपने कर्मचारियों के साथ ना केवल भावात्मक रूप से जुडता है बल्कि वह एक प्रभावषाली प्रबंधक के रूप में स्वयं को स्थापित कर पाता है।

**भावनात्मक बुद्धिमता एवं प्रभावषाली नेतृत्व :–**

यदि हम इतिहास उठाकर देखे तो हम पायेगे की नेता अपने अनुयायियों को कुछ लक्ष्यों के लिए कार्य करने हेतु प्रेरित करते है जो दोनों के मूल्यों और प्रेरणाओं चाहतों और जरूरतों, आकांक्षाओं और अपेक्षाओं का प्रतिनिधित्व करते है। नेता अपने तथा अपने अनुयायियों के मूल्यों और प्रेरणाओं को देखते है और उन पर कार्य करते है। इतिहास में कुछ ऐसे महान नेता हुए है जिन्होंने दुनिया पर अमिट छाप छोड़ी है। जूलियस सीजर, नेपोलियन बोनापार्ट, विंस्टन चर्चिल एडॉल्फ हिटलर, जोसेफ स्टालिन, महात्मा गाँधी और मार्टिन लूथर किंग जूनियर जैसे नेताओं में श्रेष्ठ गुण थे जो उन्हे अनुयायियों से अलग करते थे। इन नेताओं के पास मौजूद टी एल लक्षण जुड़े हुए है, जिन्होंने दूसरों को समर्पित अनुयायी बनने के लिए प्रेरित किया, जो उनके उद्धेष्य के लिए प्रतिबद्ध थे।
उच्च भावनात्मक बुद्धिमत्ता वाले प्रबंधक अपनी टीम के सदस्यों की चिंताओं और दृष्टिकोणों को सक्रिय रूप से सुनने और समझने में बेहतर होते है इससे संगठन के भीतर बेहतर संचार होता है, गलत फहमियां और टकराव कम होते है। प्रभावषाली नेता कार्यस्थल में उत्पन्न संघर्ष का समाधान भावात्मक बुद्धि के माध्यम से कर लेते है। वे अंतर्निहित भावनाओं को संबोधित करके और पारस्पीरीक रूप से लाभप्रद समाधान ढूढकर संघर्षों को अधिक प्रभावी ढंग से प्रबंधित कर सकते है इससे सोहार्दपूर्ण कार्य वातावरण बनाए रखने में मदद मिलती है। जो नेता उत्साह और आषावाद प्रदर्षित करते है वे अपनी टीमों को प्रेरित करते है, जिससे कर्मचारी जुड़ाव और उत्पादकता में वृद्धि होती है। भावात्मक बुद्धिमत्ता को प्रयोग मे लाकर नेता कई चुनौतियों और अनिष्चितताओं को अधिक प्रभावी ढंग से समायोजित कर सकते हैं। भावात्मक बुद्धिमत्ता वाले नेता अपनी टीम के सदस्यों पर अपने निर्णयों के भावात्मक प्रभाव पर विचार करते है। इससे अधिक विचारशील और संतुलित निर्णय लेने में मदद मिलती है, जो दीर्धकालिक सफलता के लिए आवष्यक है।

**भावात्मक बुद्धिमता और इसकी प्रासंगिकता :–**

स्लोवी और मेयर ने पहले भावत्मक बुद्धि (म्ण्ष्) को एक प्रकार की सामाजिक बुद्धि के रूप में प्रस्तुत किया जो कि सामान्य बुद्धि से अलग है। भावात्मक बुद्धि वह सामान्य तत्व है जो लोगों के जीवन, नौकरियों और सामाजिक कौषल में विकास के विभिन्न तरीको को प्रभावित करता है। जैसे निराषा को संभाले, उनकी भावनाओं पर नियंत्रण रखें, अन्य लोगों से मिले। एक प्रतिभाषाली व्यक्ति और एक प्रतिभाषाली प्रबंधक के बीच का अंतर भावात्मक बुद्धिमता के कारण होता है। म्प वातावरण का सकारात्मक सुदृढीकरण, तथा सेवा उन्मुख माहौला के विकास को सुनिष्चित करता है। भावात्मक तत्व आधुनिक संगठनों अथवा संस्थाओं के कई पहलुओं की गतिषीलता का आधार है, और संगठनात्मक नीतियों, प्रक्रियाओं और प्रक्रियाओं को तैयार करते समय म्प की भूमिका अत्यधिक महत्वपूर्ण है। भावात्मक बुद्धिमता कर्मचारियों को अपना प्रदर्षन बढाने में सक्षम बनाती है। टीम वर्क के युग में, यह पता लगाना आवष्यक है कि टीमें किस चीज से काम करती है। श्वेल्चश के शोध से पता चलता है कि व्यक्तिओं की तरह, सबसे प्रभावी टीमें म्प होती है। कोई भी टीम म्प में सुधार कर सकती है और उच्च स्तर प्राप्त कर सकती है तथा उच्च स्तर की म्प के साथ टीम वर्क करके वे अपना सबसे बेहत्तर प्रदर्षन कर सकते है। वर्तमान में ऐसा माना जाता है कि (प्फ) बुद्धि लब्धि का सफलता प्राप्त करने में योगदान 20ः है, जबकि भावात्मक बुद्धि (म्फ) जो स्वयं को समझने और लोगों के साथ बातचीत करने की क्षमता है 80ः योगदान देता है। प्रभावी नेतृत्व के लिए म्फ महत्वपूर्ण है। तथ्य यह है कि अधिकांष संस्थाएं बुद्धिमत्ता (प्फ) के आधार पर कर्मचारियों को नियुक्त करती है और उनके रवैये अर्थात् भावात्मक बुद्धिमता (म्फ) के आधार पर नौकरी से निकाल देती है। अतः संगठन की सफलता तथा कर्मचारियों के बेहत्तर प्रदर्षन के लिए भावत्मक बुद्धिमता वर्तमान युग में प्रासंगिक है।

**निष्कर्ष :–** उपरोक्त विवेचना से पता चलता है कि प्रबंधन के विभिन्न स्तरों पर भावनात्मक रूप से संक्षम नेता अपनी संस्था अथवा संगठन में अधिक सफल होते है। वे अपने व्यक्तिगत व्यक्तित्व गुणों और प्रेरक प्रेरणा शक्ति द्वारा लोगों और कार्य संस्कृति को बदलने में सक्षम होते है। उच्च भावनात्मक बुद्धिमता वाले नेता कार्य प्रदर्षन की बेहत्तर गुणवत्ता दिखाते है। स्पष्ट है कि एक प्रभावषाली नेतृत्व क्षमता के विकास में संवेगात्मक अथवा भावनात्मक बुद्धि की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)
Multidisciplinary, Indexed, Double-Blind, Open Access, Peer-Reviewed, Refereed-International Journal, Impact factor (SJIF) = 7.938

**सन्दर्भ ग्रन्थ सूची :–**

1. स्लावी पी, मेयर जे. (1990) भावात्मक बुद्धिमताश
2. टर्नर एल. (2004) श्भावात्मक बुद्धिमता हमारी अमूर्त संपतिश
3. लीथवुड के., जंत्जी डी, स्टीनबैक आर. बंकिघम, (1999) श्बदलते समय के लिए नेतृत्व को बदलनाश फिलाडेल्फिया : ओपन युनिवर्सिटी प्रेस।
4. ब्रन्र्स जे. एम. न्यूयॉर्क : हार्पर एंड रो य (1978) श्नेतृत्वश
5. मासी आर. जे, कुक आर. ए. (2000) श्अधीनस्थ प्रेरणा, सषक्तीकरण मानदंड और संगठनात्मक उत्पादकता पर परिवर्तनकारी नेतृत्व का प्रभाव।
6. पामर बी. वॉल्स एम., बर्गेस जेड, स्टफ सी (2001) श्भावनात्मक बुद्धिमता और प्रभावी नेतृत्वश
7. दैनिक भास्कर समाचार पत्र
8. दैनिक नवजागरण समाचार पत्र
9- www.shodh gango.infillibnet.ac.in
10- https://www.cci.org
11- https://www.ncbi.nlm.nih.gov
12- wwwresearchgate.com

iajesm
Quality Of Work... Never Ended...